Sample

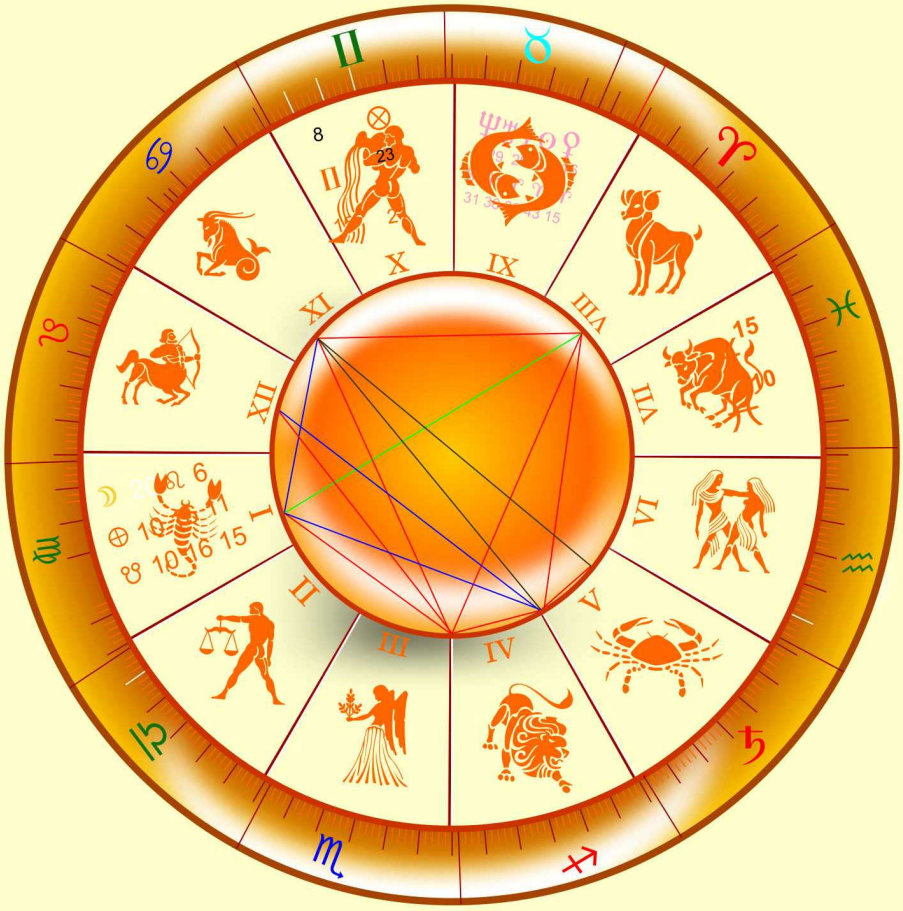

के. पी. कुण्डली

Ajit Kumar Singh

Contact - ----------

* While all precautions have been taken for the accuracy of the astrological calculations, the maker of these horoscopes makes no warranties, either expressed or implied.

Sample DOB: 18:12:1973 ; TOB: 01:45:00AM ; POB: Ballia (INDIA)

ज्योतिष सारिणी

जन्म दिन :	18 दिसम्बर 1973 (मंगलवार)
जन्म समय:	01:45:00
वार :	सोमवार
जन्म स्थान :	Ballia , INDIA
रेखांश :	084:10:00E
अक्षांश :	025:45:00N
समयक्षेत्र :	-05:30:00 hrs
समय संशोधन :	00:00:00 hrs
जी. एम. टी. समय:	20:15:00 hrs
स्थानीय समय संस्कार :	00:06:40 hrs
स्थानीय समय:	01:51:40 hrs
सांपातिक काल :	07:36:55 hrs
सूर्योदय:	06:36:32AM
सूर्यास्त :	05:03:05PM
विक्रम संवत :	**2030**
शक संवत :	**1895**
संक्त्सर :	**प्रमादी**
संवत्सर अधिपति :	**इन्द्राग्नि**

शासक ग्रह जन्म

दिनांक / समय : 18:12:1973 / 01:45:00

शासक ग्रह	लग्न	चन्दगमा
राशिपति	बुध	बुध
नक्षत्र स्वामी	मंगल	चन्द्रमा
उप स्वामी	शनि	शनि
उ.उप स्वामी	बुध	बुध
उ.उ.उप स्वामी	चन्द्रमा	सूर्य
दिवस पति	चन्द्रमा	

वर्तमान शासक ग्रह

दिनांक / समय : 13:01:2021 / 16:46:39

शासक ग्रह	लग्न	चन्द्रमा
राशि स्वामी	बुध	शनि
नक्षत्र स्वामी	गुरू	सूर्य
उप स्वामी	शनि	गुरू
उ.उप स्वामी	शनि	राहु
उ.उ.उप स्वामी	चन्द्रमा	गुरू
दिवस पति	बुध	

लग्न :	कन्या
लग्नाधिपति :	बुध
राशि (चन्द्रमा) :	कन्या
राशिपति :	बुध
नक्षत्र :	हस्ता (2)
नक्षत्रपति :	चन्द्रमा
तिथि :	कृष्ण नवमी
करण :	गरिज
सूर्य सिद्धान्त योग :	सौभाग्य
दशा दिन :	365.25 D
दशा बैलेंस :	चन्द्रमा : 5 व. 5 मा. 0 दि.
वर्तमान दशा :	शनि–शनि–बुध
होरा :	शुक्र
अयनांश :	कृष्णमूर्ति (023:23:49)

शुभाशुभ ज्ञान

मूलांक	: 9
भाग्यांक	: 5
मित्रांक	: 3] 9
शत्रु अंक	: 2] 4
शुभ वर्ष	: 18] 21] 23] 27] 30] 32] 36] 39
शुभ दिन	: बुधवार, शुक्रवार
शुभ ग्रह	: बुध, शुक्र
अशुभ ग्रह	: मंगल, गुरू
मित्र राशि	: मंगल, गुरू
मित्र लग्न	: धनु, मीन, वृष, कर्क
शुभ रत्न	: पन्ना
शुभ उपरत्न	: पन्नी, संगपन्ना, मरगज
भाग्य रत्न	: हीरा
अनुकूल देवता	: गणेश
शुभ धातु	: कांसा
शुभ रंग	: हरित
दिशा	: उत्तर
समय	: सूर्योदय के 2 घंटे बाद
पदार्थ	: शक्कर, हाथीदांत, कपूरस
अन्न	: मूंग (साबुत)
द्रव्य	: घी

While all precautions have been taken for the accuracy of the astrological calculations, the maker of these horoscopes makes no warranties, either expressed or implied.

ग्रह स्थिति – कृष्णमूर्ति पद्धति

ग्रह	राशि	डिग्री	नक्षत्र – चरन	न0 पति	राशि प0	उप	उपउप	उउउ स्0	विशेष
लग्न	कन्या	28:21:17	चित्रा(2)	मंगल	बुध	शनि	बुध	चन्द्रमा	...
सूर्य	धनु	02:21:37	मूला(1)	केतु	गुरू	शुक्र	शनि	शुक्र	मित्र राशि
चन्द्रमा	कन्या	16:06:45	हस्ता(2)	चन्द्रमा	बुध	शनि	बुध	सूर्य	स्व नक्षत्र
मंगल	मेष	04:48:06	अश्विनी(2)	केतु	मंगल	मंगल	मंगल	बुध	स्व राशि
बुध	वृश्चिक	19:57:12	ज्येष्ठा(1)	बुध	मंगल	शुक्र	चन्द्रमा	केतु	स्व नक्षत्र
गुरू	मकर	18:02:27	श्रवण(3)	चन्द्रमा	शनि	बुध	बुध	शनि	नीच राशि
शुक्र	मकर	13:06:04	श्रवण(1)	चन्द्रमा	शनि	राहु	केतु	मंगल	मित्र राशि
शनि व	मिथुन	08:18:21	अरिद्रा(1)	राहु	बुध	राहु	सूर्य	राहु	मित्र राशि
राहु व	धनु	05:16:23	मूला(2)	केतु	गुरू	मंगल	बुध	शनि	सम राशि
केतु व	मिथुन	05:16:23	मृगशिरा(4)	मंगल	बुध	सूर्य	शनि	चन्द्रमा	सम राशि
हर्षल	तुला	03:26:47	चित्रा(4)	मंगल	शुक्र	शुक्र	मंगल	सूर्य	सम राशि
नेपच्यून	वृश्चिक	14:26:28	अनुराधा(4)	शनि	मंगल	राहु	शुक्र	बुध	सम राशि
प्लूटो	कन्या	13:17:02	हस्ता(1)	चन्द्रमा	बुध	राहु	शुक्र	मंगल	सम राशि
फरच्यूना	कर्क	12:06:25	पुष्य(3)	राहु	चन्द्रमा	चन्द्रमा	सूर्य	सूर्य	....

लग्न कुण्डली

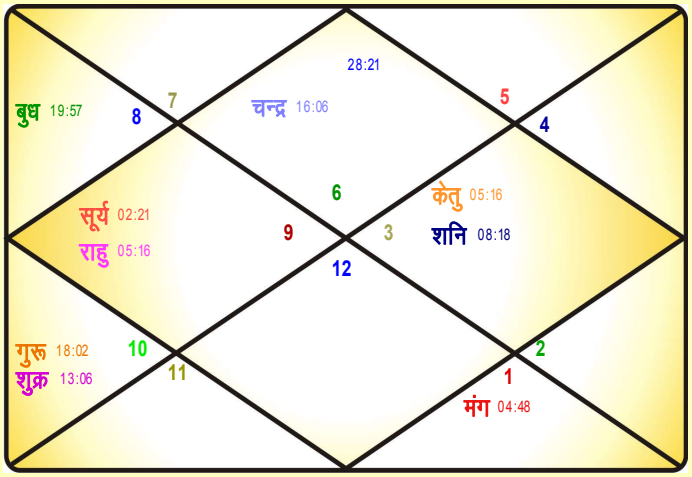

कस्प कुण्डली

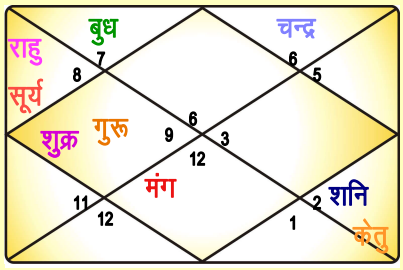

नवांश कुण्डली

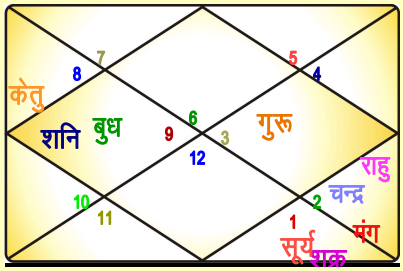

भाव स्थिति – कृष्णमूर्ति पद्धति

भाव		राशि	डिग्री	नक्षत्र – चरन	न0 पति	राशि प0	उप	उपउप	उउउ स्0
I	♍	कन्या	28:21:17	चित्रा(2)	मंगल	बुध	शनि	बुध	चन्द्रमा
II	♎	तुला	27:17:04	विशाखा(3)	गुरू	शुक्र	शुक्र	मंगल	शनि
III	♏	वृश्चिक	27:39:22	ज्येष्ठा(4)	बुध	मंगल	गुरू	राहु	राहु
IV	♐	धनु	29:02:15	उत्तराषाढ़(1)	सूर्य	गुरू	मंगल	शुक्र	राहु
V	♑	कुम्भ	00:44:06	धनिष्ठा(3)	मंगल	शनि	बुध	सूर्य	गुरू
VI	♓	मीन	01:05:02	पूर्वाभाद्र(4)	गुरू	गुरू	मंगल	केतु	गुरू
VII	♓	मीन	28:21:17	रेवति(4)	बुध	गुरू	शनि	बुध	चन्द्रमा
VIII	♈	मेष	27:17:04	कृतिका(1)	सूर्य	मंगल	सूर्य	शुक्र	गुरू
IX	♉	वृष	27:39:22	मृगशिरा(2)	मंगल	शुक्र	गुरू	राहु	राहु
X	♊	मिथुन	29:02:15	पुनर्वसु(3)	गुरू	बुध	सूर्य	गुरू	बुध
XI	♌	सिहं	00:44:06	मघा(1)	केतु	सूर्य	केतु	बुध	राहु
XII	♍	कन्या	01:05:02	उत्तरफाल्गुनी(2)	सूर्य	बुध	राहु	चन्द्रमा	शुक्र

भावों के कारक ग्रह

भाव	भाव स्थित ग्रहों के नक्षत्र में ग्रह	भाव स्थित ग्रह	भाव कस्प स्वामी के नक्षत्र में ग्रह	भाव कस्प स्वामी	भाव उप स्वामी
I			बुध	बुध	शनि+
II	बुध	बुध		शुक्र	शुक्र+
III	शनि	सूर्य, राहु	केतु	मंग.	गुरू+
IV		गुरू, शुक्र		गुरू	मंग.
V				शनि	बुध
VI				गुरू	मंग.
VII	केतु	मंग.		गुरू	शनि+
VIII			केतु	मंग.	सूर्य+
IX	सूर्य,मंग.,राहु	शनि, केतु		शुक्र	गुरू+
X			बुध	बुध	सूर्य+
XI				सूर्य	केतु
XII	चन्द्र,गुरू,शुक्र	चन्द्र	बुध	बुध	राहु

(+) इन ग्रहों के नक्षत्र में कोई भी ग्रह स्थित नहीं है।

ग्रहों द्वारा अभिसूचित भाव

ग्रह	अ	ब	द	स	य
सूर्य+	9	3		11	8, 10
चन्द्रमा	12	12			
मंगल	9	7		3, 8	4, 6
बुध	2	2	1, 10, 12	1, 10, 12	5
गुरू+	12	4		4, 6, 7	3, 9
शुक्र+	12	4		2, 9	2
शनि+	3	9		5	1, 7
राहु	9	3			12
केतु	7	9	3, 8		11

(+) इन ग्रहों के नक्षत्र में कोई भी ग्रह स्थित नहीं है।

(अ) क्रमशः सबसे मजबूत और (य) सबसे कमजोर कारक भाव को दिखाता है।, राहु निम्न ग्रहों के एजेण्ट की तरह काम करेगा : सूर्य,शनि,गुरू / केतु निम्न ग्रहों के एजेण्ट की तरह काम करेगा : शनि,सूर्य,बुध

For Mindsutra Software Technologies

विंशोत्तरी दशा

जन्म के समय विंशोत्तरी भोग्य दशा (कृष्णमूर्ति (023:23:49) चन्द्रमा : 5 व. 5 मा. 0 दि.

क्र0 स0	ग्रह दशा	अवधि	से ---------- तक
1	☽ चन्द्रमा महादशा	5 y.5 m.0 d.	18:12:1973 --- 18:05:1979
2	♂ मंगल महादशा	7 y.0 m.0 d.	18:05:1979 --- 18:05:1986
3	☊ राहु महादशा	18 y.0 m.0 d.	18:05:1986 --- 18:05:2004
4	♃ गुरू महादशा	16 y.0 m.0 d.	18:05:2004 --- 18:05:2020
5	♄ शनि महादशा	19 y.0 m.0 d.	18:05:2020 --- 18:05:2039
6	☿ बुध महादशा	17 y.0 m.0 d.	18:05:2039 --- 18:05:2056
7	☋ केतु महादशा	7 y.0 m.0 d.	18:05:2056 --- 18:05:2063
8	♀ शुक्र महादशा	20 y.0 m.0 d.	18:05:2063 --- 18:05:2083
9	☉ सूर्य महादशा	6 y.0 m.0 d.	18:05:2083 --- 18:05:2089

विंशोत्तरी अन्तर्दशा

चन्द्रमा दशा

अन्तर्दशा	से ---- तक
चन्द्रमा	
मंगल	
राहु	
गुरू	
शनि	18:12:1973 - 18:03:1975
बुध	18:03:1975 - 17:08:1976
केतु	17:08:1976 - 18:03:1977
शुक्र	18:03:1977 - 17:11:1978
सूर्य	17:11:1978 - 18:05:1979

मंगल दशा

अन्तर्दशा	से ---- तक
मंगल	18:05:1979 - 14:10:1979
राहु	14:10:1979 - 01:11:1980
गुरू	01:11:1980 - 08:10:1981
शनि	08:10:1981 - 17:11:1982
बुध	17:11:1982 - 14:11:1983
केतु	14:11:1983 - 11:04:1984
शुक्र	11:04:1984 - 12:06:1985
सूर्य	12:06:1985 - 17:10:1985
चन्द्रमा	17:10:1985 - 18:05:1986

राहु दशा

अन्तर्दशा	से ---- तक
राहु	18:05:1986 - 29:01:1989
गुरू	29:01:1989 - 24:06:1991
शनि	24:06:1991 - 30:04:1994
बुध	30:04:1994 - 17:11:1996
केतु	17:11:1996 - 05:12:1997
शुक्र	05:12:1997 - 05:12:2000
सूर्य	05:12:2000 - 30:10:2001
चन्द्रमा	30:10:2001 - 30:04:2003
मंगल	30:04:2003 - 18:05:2004

गुरू दशा

अन्तर्दशा	से ---- तक
गुरू	18:05:2004 - 06:07:2006
शनि	06:07:2006 - 17:01:2009
बुध	17:01:2009 - 24:04:2011
केतु	24:04:2011 - 30:03:2012
शुक्र	30:03:2012 - 29:11:2014
सूर्य	29:11:2014 - 17:09:2015
चन्द्रमा	17:09:2015 - 17:01:2017
मंगल	17:01:2017 - 23:12:2017
राहु	23:12:2017 - 18:05:2020

शनि दशा

अन्तर्दशा	से ---- तक
शनि	18:05:2020 - 21:05:2023
बुध	21:05:2023 - 29:01:2026
केतु	29:01:2026 - 09:03:2027
शुक्र	09:03:2027 - 09:05:2030
सूर्य	09:05:2030 - 21:04:2031
चन्द्रमा	21:04:2031 - 20:11:2032
मंगल	20:11:2032 - 29:12:2033
राहु	29:12:2033 - 05:11:2036
गुरू	05:11:2036 - 18:05:2039

बुध दशा

अन्तर्दशा	से ---- तक
बुध	18:05:2039 - 14:10:2041
केतु	14:10:2041 - 11:10:2042
शुक्र	11:10:2042 - 11:08:2045
सूर्य	11:08:2045 - 18:06:2046
चन्द्रमा	18:06:2046 - 17:11:2047
मंगल	17:11:2047 - 14:11:2048
राहु	14:11:2048 - 03:06:2051
गुरू	03:06:2051 - 08:09:2053
शनि	08:09:2053 - 18:05:2056

केतु दशा

अन्तर्दशा	से ---- तक
केतु	18:05:2056 - 14:10:2056
शुक्र	14:10:2056 - 14:12:2057
सूर्य	14:12:2057 - 21:04:2058
चन्द्रमा	21:04:2058 - 20:11:2058
मंगल	20:11:2058 - 18:04:2059
राहु	18:04:2059 - 06:05:2060
गुरू	06:05:2060 - 12:04:2061
शनि	12:04:2061 - 21:05:2062
बुध	21:05:2062 - 18:05:2063

शुक्र दशा

अन्तर्दशा	से ---- तक
शुक्र	18:05:2063 - 17:09:2066
सूर्य	17:09:2066 - 17:09:2067
चन्द्रमा	17:09:2067 - 18:05:2069
मंगल	18:05:2069 - 18:07:2070
राहु	18:07:2070 - 18:07:2073
गुरू	18:07:2073 - 18:03:2076
शनि	18:03:2076 - 18:05:2079
बुध	18:05:2079 - 18:03:2082
केतु	18:03:2082 - 18:05:2083

सूर्य दशा

अन्तर्दशा	से ---- तक
सूर्य	18:05:2083 - 05:09:2083
चन्द्रमा	05:09:2083 - 06:03:2084
मंगल	06:03:2084 - 12:07:2084
राहु	12:07:2084 - 06:06:2085
गुरू	06:06:2085 - 25:03:2086
शनि	25:03:2086 - 06:03:2087
बुध	06:03:2087 - 11:01:2088
केतु	11:01:2088 - 18:05:2088
शुक्र	18:05:2088 - 18:05:2089

For Mindsutra Software Technologies

ग्रहों पर दृष्टि (वैदिक)

	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	....						7वीं		7वीं
चन्द्रमा		....							
मंगल			....	8वीं					
बुध				....					
गुरू		9वीं			....				
शुक्र						....			
शनि	7वीं						....	7वीं	
राहु	साथ						7वीं	....	7वीं
केतु	7वीं						साथ	7वीं	....

भावों पर दृष्टि (वैदिक)

	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII
सूर्य										7वीं		
चन्द्रमा							7वीं					
मंगल		7वीं	8वीं								4वीं	
बुध									7वीं			
गुरू	9वीं								5वीं		7वीं	
शुक्र											7वीं	
शनि				7वीं			10वीं					3री
राहु										7वीं		
केतु				7वीं								

ग्रहों पर दृष्टि (पाश्चात्य)

	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	----		TRN		SSQ		OPP	CNJ	OPP
चन्द्रमा		----		SXT	TRN				
मंगल			----	SES			SXT	TRN	SXT
बुध				----					
गुरू				SXT	----				SES
शुक्र		TRN		DEC54	CNJ	----	BQT		
शनि							----		
राहु						DEC	OPP	----	
केतु						BQT	CNJ		----

भावों पर दृष्टि (पाश्चात्य)

	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII	X	IX	XI	XII
सूर्य	SXT		CNJ		SXT	SQU	TRN		OPP		TRN	SQU
चन्द्रमा					SES				TDec		SSQ	
मंगल	OPP			SQU	SXT		CNJ		DEC54	SQU	TRN	
बुध											TDec	
गुरू	TDec			VIG		SSQ						SES
शुक्र			SSQ		VIG				SES			
शनि											DEC54	
राहु		DEC	CNJ		SXT	SQU		BQT	OPP		TRN	SQU
केतु		BQT	OPP		TRN	SQU		DEC	CNJ		SXT	SQU

For Mindsutra Software Technologies

सहम (अरबी भाग)

क्र.स.	सहम का नाम	स्थिति	अधिपति			अभिसूचक		
			राशि	नक्षत्र	उप	A	B	C
1	पुण्य सहम (भाग्य)	14 धनु 36	गुरू	शुक्र	शुक्र	4	3	2, 9
2	विद्या सहम	12 सिहं 06	सूर्य	केतु	बुध	9	11	
3	यश सहम	24 सिहं 54	सूर्य	शुक्र	बुध	4	11	2, 9
4	मित्र सहम (मित्र)	09 धनु 39	गुरू	केतु	शनि	9	3	
5	महात्य सहम (महानता)	18 कुम्भ 33	शनि	राहु	चन्द्र	3	5	
6	आशा सहम (इच्छा)	24 कर्क 51	चन्द्र	बुध	राहु	2	10	1, 10, 12
7	समर्थ सहम (पुरूषार्थ)	13 वृष 30	शुक्र	चन्द्र	राहु	12	8	
8	भ्रात्रि सहम (भाई)	08 वृष 05	शुक्र	सूर्य	शुक्र	3	8	11
9	गौरव सहम (सम्मान)	00 कन्या 25	बुध	सूर्य	राहु	3	11	11
10	पितृ सहम (पिता)	22 मीन 24	गुरू	बुध	चन्द्र	2	6	1, 10, 12
11	राजा सहम (अधिकार)	22 मीन 24	गुरू	बुध	चन्द्र	2	6	1, 10, 12
12	मात्रि सहम (माता)	25 मक. 20	शनि	मंग.	राहु	7	4	3, 8
13	अपत्य सहम (संतान)	26 मिथु. 25	बुध	गुरू	केतु	4	9	4, 6, 7
14	जीव सहम (जीवन)	08 वृष 05	शुक्र	सूर्य	शुक्र	3	8	11
15	कर्म सहम (कार्रवाई)	13 वृष 30	शुक्र	चन्द्र	राहु	12	8	
16	रोग सहम	10 तुला 35	शुक्र	राहु	शनि	3	1	
17	काली सहम (कलह, संघर्ष)	15 मक. 06	शनि	चन्द्र	गुरू	12	4	
18	शास्त्र सहम (उच्च शिक्षा)	10 वृष 13	शुक्र	चन्द्र	चन्द्र	12	8	
19	बन्धु सहम (रिश्तेदार)	24 सिहं 30	सूर्य	शुक्र	बुध	4	11	2, 9
20	निधन सहम	17 मीन 10	गुरू	बुध	बुध	2	6	1, 10, 12
21	परदेश सहम (विदेश)	00 सिहं 41	सूर्य	केतु	केतु	9	10	
22	धन सहम (धन)	14 मक. 10	शनि	चन्द्र	गुरू	12	4	
23	प्रदर सहम (परस्त्रीगमन)	17 सिहं 36	सूर्य	शुक्र	मंग.	4	11	2, 9
24	वनिज सहम (धंधा)	02 धनु 11	गुरू	केतु	शुक्र	9	3	
25	कार्यसिद्धि सहम (सफलता)	12 सिहं 08	सूर्य	केतु	बुध	9	11	
26	विवाह सहम	23 मीन 33	गुरू	बुध	मंग.	2	6	1, 10, 12
27	संताप सहम (दुःख)	08 कर्क 53	चन्द्र	शनि	शुक्र	9	10	5
28	श्रद्धा सहम (भक्ति)	20 मक. 03	शनि	चन्द्र	केतु	12	4	
29	प्रिति सहम (प्यार)	02 वृष 44	शुक्र	सूर्य	गुरू	3	8	11
30	जाड्य सहम (स्थाई रोग)	23 कुम्भ 27	शनि	गुरू	शनि	4	5	4, 6, 7
31	ब्यापार सहम	24 कर्क 51	चन्द्र	बुध	राहु	2	10	1, 10, 12
32	शत्रु सहम	01 मक. 51	शनि	सूर्य	गुरू	3	4	11
33	जलपत्तन सहम (विदेश यात्रा)	21 सिहं 39	सूर्य	शुक्र	गुरू	4	11	2, 9
34	बंधन सहम (कारावास)	22 मेष 03	मंग.	शुक्र	शनि	4	7	2, 9
35	अपघात सहम (आकस्मिक दुर्घटना)	05 कन्या 52	बुध	सूर्य	बुध	3	12	11
36	वित्तहानि सहम	17 धनु 13	गुरू	शुक्र	चन्द्र	4	3	2, 9
37	त्रिक स्फूट (दुर्घटना)	15 कुम्भ 28	शनि	राहु	शुक्र	3	5	
38	घात स्थान (अनहोनी)	26 धनु 00	गुरू	शुक्र	केतु	4	3	2, 9

के. पी. कस्प कुण्डली का विश्लेषण

सूर्य का विभिन्न भावों में स्थिति का फल –

आपकी के. पी. कस्प कुण्डली में, सूर्य तीसरे भाव में स्थित है। इसलिए आप साहसी होंगे– यद्यपि आपको हड्डी टूटने या जहर से या आगजनी से भय हो सकता है। आप अपने लेखन से कुछ ख्याति अर्जित करसकते हैं, काफी यात्रा कर सकते हैं तथा कई बार अपना आवास परिवर्तन कर सकते हैं। हालाँकि यह आपके स्वास्थ तथा आपके सहोदरों (बड़े और छोटे दोनों) के सुख के लिए अनुकूल नहीं हो सकता है। यदि सूर्य तुला राशि में स्थित है, तो आप एक धनी व्यक्ति होंगे। यदि एक नैसर्गिक शुभ ग्रह सूर्य को प्रभावित करता है, तो आप त्वचा रोग से ग्रसित हो सकते हैं, किन्तु यदि एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह इसे प्रभावित करता है, तो आप कुछ दण्डात्मक अधिकारियों के साथ कठिनाई में पड़ सकते हैं।

सूर्य का विभिन्न राशियों में स्थिति का फल –

आपकी के. पी. कस्प कुण्डली में, सूर्य वृश्चिक राशि में स्थित है। इस वजह से, आप थुलथुल संरचना युक्तपूर्ण मांसल शरीर, चौड़ा चेहरा, धुंधला काले वर्ण तथा भूरे बालों वाले हो सकते हैं। आप रूखे एवं अभिमानी मिजाज के हो सकते हैं, अपने अशिष्ट बर्ताव एवं विषम व्यवहार से अपने विरोधियों को दूर भगानेकी प्रवृत्ति हो सकती है। आप किसी की समानता को स्वीकार नहीं कर सकते हैं तथा जीवन पर्यन्त अपने मार्ग खोद सकते हैं। आप पेट में गड़बड़ी, मूत्र संबंधी समस्या, यौन पीड़ा आदि जैसे रोगों से ग्रसित हो सकते हैं।

चन्द्रमा का विभिन्न भावों में स्थिति का फल –

आपकी के. पी. कस्प कुण्डली में, चंद्रमा बारहवें भाव में स्थित है। इसलिए आपको सभी प्रकार के रहस्यमयऔर खोजबीन में अत्यधिक रूचि होगी। किन्तु आपको प्रारम्भिक अवस्था में कुछ कल्पनात्मक भय से अनजाना डर भी हो सकता है। कुछ ईर्ष्यालु लोग आपके खिलाफ गुप्त रूप से कार्य कर सकते हैं– जिनमें से कुछ महिलाएं हो सकती है– जो आपके लिए कठिनाईया उत्पन्न कर सकते हैं। अप्रत्याशित घटनाओं के कारण आपका दबावपूर्ण स्थानान्तरण हो सकता है या समय से पहले सेवानिवृत्त किया जा सकता है। यदि चंद्रमा वृषभ या कर्क या वृश्चिक राशि में स्थित है, तो आप अपने पेशे के क्षेत्र में काफी प्रारम्भिक अवस्था में अपने मार्ग में आने वाले सुनहरे अवसरों का प्रभावपूर्ण उपयोग करके जीवन में काफी अप्रत्याशित तरीके से आगे बढ़ सकते हैं।

चन्द्रमा का विभिन्न राशियों में स्थिति का फल –

आपकी के. पी. कस्प कुण्डली में, चंद्रमा कन्या राशि में स्थित है। इसलिए, आप अपेक्षाकृत लम्बे कद, काले बाल, अण्डाकार चेहरा, और कुछ–कुछ गुलाबी वर्ण के हो सकते हैं। आप एक प्रतिभाशाली दिमाग और आत्मकेन्द्रित प्रकृति के होंगे। आप उदासीन मिजाज के हो सकते हैं एवं जीवन में एक आकांक्षित पद प्राप्तकरने में सक्षम नहीं हो सकते हैं। आप बहुत सक्रिय नहीं हो सकते हैं एवं कभी–कभार ही कुछ वास्तवमें बहुत प्रशंसनीय कार्यों को करेंगे। आप कंधों एवं बाहों में अवरोधों एवं कमजोरी, पेट में दर्द, आंतों में गड़बड़ी, खून की खराबी आदि से पीड़ित हो सकते हैं।

मंगल का विभिन्न भावों में स्थिति का फल –

आपकी के. पी. कस्प कुण्डली में, मंगल सातवें भाव में स्थित है। यदि मंगल मेष या वृश्चिक या मकर

राशि में स्थित है, तो आप बहुत भाग्यशाली होंगे– जैसाकि आप रूचक योग (पंच महापुरुष योग) के लाभकारी परिणामों का आनन्द लेंगे। इसलिए आप बहुत उर्जावान और शान–शौकतपूर्ण होंगे तथा अपने वीरतापूर्ण कार्यों के बल पर अपना लक्ष्य प्राप्त करेंगे। आप मंत्रों एवं यंत्रों में कुशल हो सकते हैं। यदि मंगल कर्क राशि में स्थित है, तो आपका पहला विवाह असफल साबित हो सकता है तथा आप दूसरा विवाह कर सकते हैं। यदि मंगल किसी और राशि में है, तो यह आपके जीवनसाथी के स्वास्थ्य एवं सुख के लिए अनुकूल नहीं है। इसके अतिरिक्त, आप कड़े विरोध, मुकदमा या किसी बहुत शक्तिशाली व्यक्ति केसाथ खुली चुनौती तक का भी सामना कर सकते हैं।

मंगल का विभिन्न राशियों में स्थिति का फल –

आपकी के. पी. कस्प कुण्डली में, मंगल मीन राशि में स्थित है। इसलिए, आप अपेक्षाकृत मांसल शारीरिक संरचना, औसत कद, काला रंग एवं हल्के रंग के बालों वाले हो सकते हैं। यदि बृहस्पति एवं शुक्र में से कोई भी मंगल को प्रभावित नहीं करता है, तो आप उदासीन महसूस कर सकते हैं तथा अकेला व असहायका स्वरूप अख्तियार कर सकते हैं। आप कुछ हद तक आलसी, लापरवाह और स्व–केन्द्रित हो सकते हैं– जिसके कारण आप बहुत भाग्यशाली नहीं हो सकते हैं। आप हृदय रोग, पैरों एवं पांव में दर्द आदि जैसे रोगों से ग्रसित हो सकते हैं।

बुध का विभिन्न भावों में स्थिति का फल –

आपकी के. पी. कस्प कुण्डली में, बुध दूसरे भाव में स्थित है। इसलिए आप बहुत सुन्दर स्वरूप, मृदु–भाषी तथा वाचाल प्रतिभा से भी संपन्न होंगे। आप काफी धनी होंगे, किन्तु आपका भाग्य कुछ हद तक अस्थिर रह सकता है या यह काफी लम्बे समय तक आपके किसी निकट संबंधी के नियंत्रण में रह सकता है। यहभी संभव है, कि आपको चोरी या ठगी के कारण कुछ हानियां हो सकती हैं। आपको लिखित संचार और प्रकाशन से उत्तम लाभ प्राप्त हो सकता है तथा हस्तशिल्प या हस्तनिर्मित वस्तुओं के क्रय–विक्रय से भी हो सकता है। यदि कोई नैसर्गिक अशुभ ग्रह की बुध के साथ युति है या बुध पर दृष्टि है, तो आप दांतदर्द से पीड़ित हो सकते हैं और आपके दांत काफी कम आयु में ही सड़ने या फीके पड़ने शुरू हो सकते हैं।

बुध का विभिन्न राशियों में स्थिति का फल –

आपकी के. पी. कस्प कुण्डली में, बुध तुला राशि में स्थित है। इसलिए, आप सुगठित आनुपातिक शारीरिक संरचना, लम्बे कद, सूर्ख वर्ण और हल्के–रंगीन मुलायम बालों वाले हो सकते हैं। आप एक सद्गुणी एवं विवेकशील, न्यायप्रिय और शिक्षा के प्रोत्साहक व्यक्ति होंगे। आप अपने उत्कृष्ट योग्यताओं एवं विशिष्ट उपलब्धियों के लिए निश्चित रूप से उचित प्रशंसा प्राप्त करेंगे। आप गुर्दे में विकार, छाती या फेफड़ों में पीड़ा, रक्तविकार, मूत्रमार्ग में अवरोध आदि जैसे रोगों से ग्रसित हो सकते हैं।

गुरू का विभिन्न भावों में स्थिति का फल –

आपकी के. पी. कस्प कुण्डली में, बृहस्पति चौथे भाव में स्थित है। यदि बृहस्पति धनु या मीन या कर्क राशिमें स्थित है, तो आप बहुत भाग्यशाली होंगे– जैसाकि आप हमसा योग (एक पंच महापुरुष योग) के लाभकारी परिणामों का आनन्द प्राप्त करेंगे। इसलिए आप बुद्धिमान, ज्ञानी और गहन धार्मिक रूझान लिए हुए सद्गुणों की प्रतिमूर्ति होंगे। आप अपने सभी उपक्रमों में सफल होंगे। आप पानी की सैर के शौकीन होंगे, किन्तु कुछ हद तक कामुक हो सकते हैं। आप सदैव योग्य कार्यों को करने में संलग्न रहेंगे तथा दूसरों के प्रति मददगार होंगे। सामान्यतः लोग आपके साथ सम्मानपूर्ण व्यवहार करेंगे तथा उचित सम्मान

देंगे। आप अनेक पवित्र स्थानों का भ्रमण करेंगे। यदि बृहस्पति किसी और राशि में स्थित है, तो आप अपनेमाता–पिता के संदर्भ में भाग्यशाली होंगे तथा उत्तराधिकार में लाभ प्राप्त करेंगे। आप अपने जन्म स्थानया पैतृक स्थान पर अपना भाग्य अर्जित करेंगे।

गुरू का विभिन्न राशियों में स्थिति का फल –

आपकी के. पी. कस्प कुण्डली में, बृहस्पति धनु राशि में स्थित है– जो कि इसकी अपनी राशि (सकारात्मक)है। इसलिए, आप सीधी एवं सुगठित शारीरिक संरचना, लम्बे कद, अण्डाकार मुखाकृति, गुलाबीवर्ण, लाल भूरे रंग के बाल और सुन्दर प्रभावकारी आंखों वाले हो सकते हैं। आप दाढ़ी वाले हो सकते हैं तथा आपकी मध्यायु से आपके बाल कम हो सकते हैं। आप न्यायसंगत एवं कुलीन विचार, विनम्र एवं मानवीय प्रकृति, सौम्य एवं उदार स्वभाव, तथा सुखद एवं सराहनीय आचरण से सम्पन्न होंगे। आप घोड़ों, घुड़दौड़ और शिकार के शौकीन हो सकते हैं। आप बुखार, खून की सड़न, चिड़चिड़ापन, जांघों में दर्द, घुटनों में सूजन आदि जैसे रोगों से ग्रसित हो सकते हैं।

शुक्र का विभिन्न भावों में स्थिति का फल –

आपकी के. पी. कस्प कुण्डली में, शुक्र चौथे भाव में स्थित है। यदि शुक्र वृषभ या तुला या मीन राशि में स्थित है, तो आप बहुत भाग्यशाली होंगे– जैसाकि आप मालविय योग (एक पंच महापुरुष योग) के लाभकारी परिणामों का आनन्द लेंगे। इसलिए आप अनेक वांछित गुणों से संपन्न होंगे एवं जीवन की सभी सुख–सुविधाओं का आनन्द लेंगे। आप सुख–भोगी प्रकृति के हो सकते हैं, किन्तु आप अपने सभी उपक्रमों में सफल होंगे। आपकी पत्नी स्वस्थ्य, कामुक, सहयोगशील और आपके लिए संयुग्मित करने वाली होंगी। आप सदैव योग्य कार्यों को करने में संलग्न रहेंगे तथा अच्छे उद्देश्यों के लिए उदारतापूर्वक दान करेंगे। आपके मित्र उच्च स्थानों पर होंगे तथा लोग आपको सदैव उच्च सम्मान प्रदान करेंगे। यदि शुक्र किसी अन्य राशि में स्थित है, तो आप अपने जीवनसाथी और भौतिक परिसम्पत्ति के मामले में भाग्यशाली होंगे। आप अपने जन्म स्थान या पैतृक स्थान पर अपना भाग्य अर्जित करेंगे।

शुक्र का विभिन्न राशियों में स्थिति का फल –

आपकी के. पी. कस्प कुण्डली में, शुक्र धनु राशि में स्थित है। इसलिए आप सु–अनुपातिक शारीरिक संरचना, लम्बे कद, अण्डाकार मुखाकृति, गौर वर्ण और भूरे बालों वाले हो सकते हैं। आप स्वाभिमानी प्रकृतिऔर उदार स्वभाव के बहादुर व्यक्ति होंगे। बहुत भावुक होने के बावजूद, आप दयालु, अनाक्रामक और कुछ उपकारी भी होंगे। आप रचनात्मक कार्यों से मनबहलाव करने में आनन्द की अनुभूति करेंगे तथा सामान्यतः अपने सभी मामलों में काफी भाग्यशाली होंगे। आप जुकाम, आर्द्र त्रिदोष, अजीर्ण, गठिया आदि जैसे रोगों से ग्रसित हो सकते हैं।

शनि का विभिन्न भावों में स्थिति का फल –

आपकी के. पी. कस्प कुण्डली में, शनि नौवें भाव में स्थित है। यदि शनि आपकी कुण्डली में सुव्यवस्थित नहीं है, तो आप बहुत भाग्यशाली नहीं हो सकते हैं तथा विषमताओं व विपत्तियों के समूहों के विरूद्ध संघर्षकरते हुए, स्वयं को काफी प्रतिबंधात्मक प्रभावों के अधीन महसूस कर सकते हैं। जब आप बहुत छोटे थे, तबआपके पिता को आघात का सामना करना पड़ा होगा या आपके परिवार में विघटन हुआ होगा, इसनेआपको बदलती परिस्थितियों के अनुसार समायोजित करने के लिए बाध्य किया होगा। आप धीरे–धीरे भौतिकवादी एवं हित–उन्मुख हो सकते हैं। आपको धार्मिक उपदेशों में भी अधिक विश्वास नहीं हो सकता है तथा कानून के प्रति अधिक सम्मान नहीं हो सकता है। यदि आपकी कुण्डली में प्रतिकारी योग

उपस्थित नहीं हैं, तो आप कुछ अनुचित कार्यों को करने में संलग्न हो सकते हैं तथा परिणामों से पीड़ित होसकते हैं। यह स्थिति आपके सहोदरों एवं ननिहाल के लोगों के स्वास्थ्य एवं कुशलता के लिए भी उत्तम नहीं है। हालाँकि यदि शनि कुम्भ या मकर या तुला राशि में स्थित है, तो यह लाभकारी परिणाम प्रदान करेगा।

शनि का विभिन्न राशियों में स्थिति का फल –

आपकी के. पी. कस्प कुण्डली में, शनि वृषभ राशि में स्थित है। इसलिए आप कुछ–कुछ विकृत शारीरिक संरचना, औसत कद और भारी बनावट, अरूचिकर हाव–भाव, अनैतिक व्यवहार तथा सरल स्वभाव के हो सकते हैं। यदि शुक्र या चंद्रमा में से कोई भी युति या दृष्टि से शनि को प्रभावित नहीं करता है, तो आप अपनी वाणी एवं कार्यों से दूसरों को अपना दुश्मन बनाने वाले हो सकते हैं– जिसकी वजह से आपकी लोकप्रियता दांव पर लग सकती है। आप उदासीनता, आवाज में कर्कशता, गर्दन एवं गले में सूजन तथा स्थायी दर्द, स्कर्वी, कंठमाला आदि जैसे रोगों से ग्रसित हो सकते हैं।

राहु का विभिन्न भावों में स्थिति का फल –

आपकी के. पी. कस्प कुण्डली में, राहु तीसरे भाव में स्थित है। इसलिए, आप साहसी होंगे, किन्तु आप अनेक छोटी चिन्ताओं व संतापों से परेशान रह सकते हैं। यह स्थिति आपके छोटे सहोदरों के स्वास्थ्य एवं कुशलता के लिए अनुकूल नहीं है तथा यदि चंद्रमा भी राहु के साथ स्थित है, तो आपकी माता की सोच कुछ हद तक भ्रमित हो सकती है। यदि हस्तशिल्प या हस्तनिर्मित वस्तुओं का सौदा करते हैं, तो आपकी आय काफी संतोषजनक होगी।

केतु का विभिन्न भावों में स्थिति का फल –

आपकी के. पी. कस्प कुण्डली में, केतु नौवें भाव में स्थित है। इसलिए, कभी–कभी आपके परिवार में महत्वहीन कारणों को लेकर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं, आपके ससुराल वाले या आपके छोटे सहोदरों के जीवनसाथी पूर्णतः अनावश्यक रूप से परेशानियों के अग्रदूत हो सकते हैं। यदि एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह केतु को पीड़ित करता है, तो आपके पिता का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है, किन्तु यदि एक नैसर्गिक शुभग्रह केतु को प्रभावित करता है, तो आपका धार्मिक रूझान गहरा होगा तथा आप अनेक पवित्र स्थानों का भ्रमण कर सकते हैं।

हर्षल का विभिन्न भावों में स्थिति का फल –

आपकी के. पी. कस्प कुण्डली में, यूरेनस लग्न में स्थित है। इसलिए, आप हठी प्रकृति, अस्थिर व्यवहार औरअड़ियल प्रवृत्ति के हो सकते हैं। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रतिकारी योग उपस्थित नहीं हैं, तो आपको अपने माता–पिता एवं संबंधियों तक से भी अलग होना पड़ सकता है। आपको बहुत सावधान भी रहना चाहिए, क्योंकि किसी चलते हुए उपकरण या मशीनरी के तीव्र चालित भाग से आपके सिर में अप्रत्याशित रूप से चोट लग सकती है।

हर्षल का विभिन्न राशियों में स्थिति का फल –

आपकी के. पी. कस्प कुण्डली में, यूरेनस कन्या राशि में स्थित है। इसलिए आप औसत से कम कद, धूमिलरंग के बाल– जिनका रंग काफी पहले ही खराब हो सकता है। आपमें अपनी आँखों को फड़काने अथवा अपने बालों में उंगलियां फिराने की आदत हो सकती है– विशेषकर तब, जब आप विचलित या

चिन्तित हों। आपका अपने सहकर्मियों के साथ उत्तम संबंध नहीं हो सकते हैं– जैसाकि वे आपसे स्पष्ट रूप से अलग हो सकते हैं। वे अपने स्वयं के तरीके से चीजों को करने की इच्छा रख सकते हैं। आप नसों की थकान, नसों की कमजोरी, अपचन, छोटी आंत का फोड़ा, उदरशूल आदि जैसे रोगों से ग्रसित हो सकते हैं।

नेपच्यून का विभिन्न भावों में स्थिति का फल –

आपकी के. पी. कस्प कुण्डली में, नेप्च्यून दूसरे भाव में स्थित है। इसलिए, आपको बहुत सावधान एवं सतर्करहना पड़ेगा– विशेषकर अपने कथनों, पारिवारिक मामलों और आर्थिक मामलों के संदर्भ में। कुछ आकस्मिक एवं अप्रत्याशित घटनाओं के कारण, आप बड़े उतार–चढ़ाव का सामना कर सकते हैं तथा आपको गंभीर आघात तक भी लग सकता है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रतिकारी योग उपस्थित नहीं हैं, तो आपके कुछ पारिवारिक सदस्य आवेगशील, असहिष्णु और बिल्कुल अतार्किक हो सकते हैं, उनके विचित्र काल्पनिक कार्यों के कारण आपको कुछ हानि हो सकती है।

नेपच्यून का विभिन्न राशियों में स्थिति का फल –

आपकी के. पी. कस्प कुण्डली में, नेप्च्यून तुला राशि में स्थित है। इसलिए आपकी आकृति आकर्षक, कद औसत से अधिक, मनोहारी नैन–नख्श, चुम्बकीय आकर्षण तथा नीली आँखों वाले हो सकते हैं। आप परिष्कृत प्रकृति, मित्रवत व्यवहार, शालीन बर्ताव और उदार दृष्टिकोण वाले होंगे। आपमें साफ–सफाई तथा बाह्य सुन्दरता के प्रति एक विशेष कुशलता होगी, किन्तु आपमें घर से बाहर के जीवन के लिए अत्यधिक तीव्र लालसा हो सकती है– जिसके कारण आपका घरेलू जीवन को कुछ उपेक्षित सकता है। आप पीलिया,गुर्दे का प्रदाह, गुर्दे की नसों का दर्द, दृष्टिभ्रम आदि जैसे रोगों से पीड़ित रह सकते हैं।

प्लूटो का विभिन्न भावों में स्थिति का फल –

आपकी के. पी. कस्प कुण्डली में, प्लूटो बारहवें भाव में स्थित है। इसलिए आप कई मामलों में भाग्यशाली होंगे। यह स्थिति शत्रुओं एवं गलत प्रतियोगियों का विनाश करेगी, और उसके द्वारा डर, व्यक्तिगत हानि, तनाव और अप्रसन्नता की संभावना खत्म हो जाएगी। प्लूटो इस प्रकार कुशाग्र तरीके से काम करेगा कि या तो आपके विरोधी किसी दूरस्थ स्थान पर विस्थापित हो जाएंगे अथवा आप किसी ऐसे सुदूर स्थान पर पुनर्स्थापित हो जाएंगे, कि आपके विराधी आपको कभी कोई हानि पहुंचाने में सक्षम नहीं होंगे।

प्लूटो का विभिन्न राशियों में स्थिति का फल –

आपकी के. पी. कस्प कुण्डली में, प्लूटो कन्या राशि में स्थित है। इसलिए आप अपेक्षाकृत छरहरी, वर्गाकार शारीरिक संरचना, औसत कद और काले बालों वाले हो सकते हैं। आप एक पुरुष हैं, आप अपने अभिमान को उच्च समझेंगे तथा जो भी आपके दृष्टिकोण या विचारों से असहमत होगा, उनमें से किसी को भी बिनाकिसी हिचकिचाहट के आहत करने की विशेष प्रवृत्ति आपमें हो सकती है। यदि एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह प्लूटो को पीड़ित करता है, तो धीरे–धीरे आपकी लोकप्रियता कम हो सकती है तथा हवाई महल में राजा की तरह रहने की कल्पना कर सकते हैं। आप काला ज्वर, कलाई और उंगलियों में ऐंठन, भोजन विषाक्तता, जुलाब, डायरिया, पेचिश आदि जैसे रोगों से पीड़ित हो सकते हैं।